Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 01-12-2005

Participants : Athawale Shri Ramdas

>

Title : Need to include the Marathi speaking villages of the bordering areas of Karnataka into Maharashtra.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, हमारे देश में भाषावार प्रान्तों की रचना हुई, लेकिन हमारे मराठी-भाषी लोगों को बेलगांव जिले में, कर्नाटक में डालकर उन पर अन्याय किया गया है। मैं चाहता हूँ कि कन्नड़-भाषी लोगों पर कोई अन्याय नहीं होना चाहिए, मगर मराठी-भाषी लोगों को कर्नाटक राज्य में पिछले तमाम सालों से रखने के कारण उन पर अन्याय हुआ है। उन लोगों की मांग केवल इतनी है कि हम मराठी-भाषी हैं और हमें महाराट्र में लिया जाना चाहिए। इसलिए मेरी सिर्फ यही मांग है कि या तो बेलगांव जिले का डिवीजन कर दिया जाए और कन्नड़-भाषी लोगों का अलग बेलगांव कर्नाटक में रहे और मराठी-भाषी लोगों का अलग बेलगांव महाराट्र में शामिल किया जाए या फिर बेलगांव जिले को गोवा से जोड़कर एक विशाल गोमान्तक राज्य बनाया जाए। यहां श्रीमती सोनिया गांधी जी मौजूद हैं, हम आपसे अपील करते हैं कि दोनों सरकारें अपनी हैं और आगे भी सब सरकारें अपनी ही आने वाली हैं। इसलिए महाराट्र और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों को यहां पर बुलाकर, प्रधानमंत्री जी और सोनिया जी मिलकर, हमारे मराठी-भाषी लोगों को न्याय दिलाएं। हमारी यही मांग है। अध्यक्ष महोदय, आप भी इसमें हमारी थोड़ी मदद कीजिए।

MR. SPEAKER: We have to all remember that it is one country. Unity is important. If there are aspirations of different regions, I am sure everybody can do it. Consider this matter, but in a proper attitude, in a spirit of 'give and take'. Let us not make these issues matters of confrontation between the people of the same country. Of course, everybody knows this.

I am extremely grateful to all the hon. Members for their cooperation. We have exhausted the list today, and also gone against our earlier decision not to

allow more than one Member. I think, Mr. Harin Pathak agrees with me, that this is more productive than anything else. In recognition with that and in appreciation, I am giving you more than one hour's time today for lunch!

The House stands adjourned to meet again at 2.00 p.m.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till

Fourteen of the Clock.